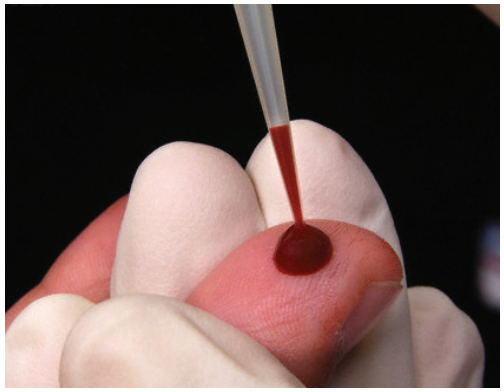

हमेशा याद रखें!

- असुरक्षित यौन संपर्क से बचें एवं कंडोम का उपयोग करें।
- आपका साथी आपको भले ही स्वस्थ दिखे, परंतु वह किसी यौन रोग से पीड़ित भी हो सकता है।
- एक से अधिक व्यक्तियों के साथ यौन संपर्क से बचें।
- महिलाओं को चाहिए कि वह यौन संपर्क में कण्डोम के इस्तेमाल पर जोर दें।
- नियमित जाँच करवाने से यौन रोग की शुरुआत में ही पहचान हो जाती है।
- यौन रोग होने पर अपना एवं अपने यौन साथी का पूर्ण इलाज एक साथ करायें।
- व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें।
- नज़दीकी शासकीय अस्पताल में स्थित आई. सी.टी.सी. में जाकर एच.आई.वी. की जांच करावें।

विभिन्न यौन संक्रमणों के इलाज के लिए सात तरह के कलर कोटेड किट साथ रंगों में प्रदेश के सभी जिला चिकित्सालयों में स्थित यौन रोग निदान केन्द्र या युगल मंगल केन्द्र में उपलब्ध हैं। प्रत्येक किट के ऊपर संक्रमण तथा दवाईयों के नाम स्पष्ट रूप से अंकित किए गए हैं।

यौन रोग (गुप्त रोग) की मुफ्त जाँच और इलाज के लिए अपने नज़दीकी शासकीय अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र में जाएं या अपने गांव के स्वास्थ्य कार्यकर्ता से मिलें।

MPSACS

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

द्वितीय तल, तिलहन संघ भवन, 1 अरेरा हिल्स, भोपाल म.प्र.

दूरभाष : 0755-2559629, 2577629

फैक्स : 0755-2556619

E-mail : mpsacs@gmail.com, Web : mpsacsb.org

Design: www.dreamdesigners.in

MPSACS

यौन रोग अब मौन नहीं उपाय !

MPSACS NACO

Suraksha Clinic
Sexual and Reproductive Health

युगल मंगल केन्द्र- सुरक्षा क्लीनिक

क्या है यौन रोग?

वह रोग जो यौन क्रिया (संभोग) के द्वारा संचारित होते हैं, उन्हें यौन रोग कहा जाता है। यौन रोग कई बार गंभीर, खतरनाक एवं शरीर के लिए घातक भी हो सकते हैं। कई यौन रोगों से यौन अंगों को भी नुकसान पहुँच सकता है। एच.आई.वी. भी एक प्रकार का यौन संक्रमण है जो असुरक्षित यौन क्रिया से संचारित हो सकता है।

यौन रोग कैसे फैलते हैं?

- यौन संक्रमित यौन रोगी के साथ असुरक्षित (बिना कण्डोम के) यौन संपर्क द्वारा।

यौन रोग क्या नुकसान पहुँचा सकते हैं?

यौन रोगों से पुरुषों में नपुंसकता हो सकती है। महिलाओं में बांझपन, बार-बार गर्भ का गिरना, मृत शिशु का जन्म लेना या शिशु में पैदायशी दोष जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। यौन रोग एच.आई.वी./एड्स संक्रमण का जोखिम बढ़ाते हैं। इसलिए यौन रोगों का तत्काल सही उपचार होना ज़रूरी है। यौन रोग होने से एच.आई.वी. संक्रमण की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

यौन रोगों के लक्षण

पुरुषों में

- लिंग में खुजली या सूजन होना।
- बार-बार पेशाब आना।
- पेशाब के दौरान जलन या दर्द होना।
- लिंग में से मवाद का बहना।
- गुप्तांगों के आसपास घाव या छाले आ जाना।
- गुप्तांगों में या उसके आसपास गांठ पड़ जाना।

महिलाओं में

- असामान्य रूप से योनि मार्ग एवं जननांगों के आसपास खुजली या जलन होना।

- पेशाब के दौरान जलन होना।
- योनि से गाढ़ा एवं बदबूदार पानी बहना।
- पेडू या पेट के निचले हिस्से में दर्द होना।
- गुप्तांगों या उसके आसपास घाव या छाले होना।
- गुप्तांगों में या उसके आसपास गांठ पड़ जाना, संभोग के समय दर्द होना।।
- कई बार यौन रोग से पीड़ित व्यक्ति बिलकुल स्वस्थ दिखाई देते हैं। कुछ यौन रोगों में कोई भी लक्षण प्रकट नहीं होते, खासकर स्त्रियों में।

इलाज

चिकित्सीय इलाज में देरी स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। बहुत से लोग संकोच में अपना इलाज सरकारी अस्पताल या प्रशिक्षित डॉक्टर से कराने के बजाए अप्रशिक्षित डॉक्टरों या नीम-हकीमों के पास चले जाते हैं जिससे यौन रोग अधिक जटिल हो जाते हैं।

इलाज अपना भी कराएँ और अपने साथी का भी। जिन दो व्यक्तियों में यौन संबंध हैं, उन दोनों का एक साथ इलाज होना बेहद ज़रूरी है। यदि एक व्यक्ति का इलाज होता है और दूसरे का नहीं तो इलाज कराने वाले व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से दुबारा भी यौन रोग हो सकता है।

यौन रोग के इलाज के दौरान दवाओं का असर होने तक एवं पूर्णतया ठीक होने तक कण्डोम का उपयोग करें।

यौन रोग का इलाज न कराना गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

कहाँ जाएँ?

युगल मंगल केन्द्र-सुरक्षा क्लीनिक

यौन रोग का इलाज प्रदेश के सभी जिला चिकित्सालयों में स्थित सुरक्षा क्लीनिक में किया जाता है। इन केन्द्रों में यौन रोगों की जाँच, परामर्श तथा दवाईयाँ नि:शुल्क उपलब्ध करवायी जाती है। साथ ही परामर्श भी दिया जाता है। ताकि मरीज यौन रोग एवं एच.आई.वी. एड्स जैसे गंभीर संक्रमण के खतरे से बच सकें।

प्रदेश में 62 युगल मंगल केन्द्र संचालित हैं जो कि सभी जिला चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेजों एवं प्रमुख सिविल अस्पतालों में स्थित हैं।

ध्यान रखें

अपने डॉक्टर की सलाह का सावधानी से पालन करें। अधूरे इलाज से रोग बढ़ता है और फिर समस्याएं दुबारा उत्पन्न होती हैं। यदि लक्षण दूर नहीं होते हैं तो फिर इलाज के लिए अपने डॉक्टर के पास जायें। आप एक से ज्यादा यौन रोग के शिकार भी हो सकते हैं।

कण्डोम का उपयोग बचा सकता है यौन रोगों से